तथास्तु

GS SPECIAL

HISTORY

LECTURE - 21

SOUTH INDIAN KINGDOMS

ALL ONE DAY EXAMS 2026-27

COMPLETE GS

AVAILABLE ON

Jeet Rana Sir

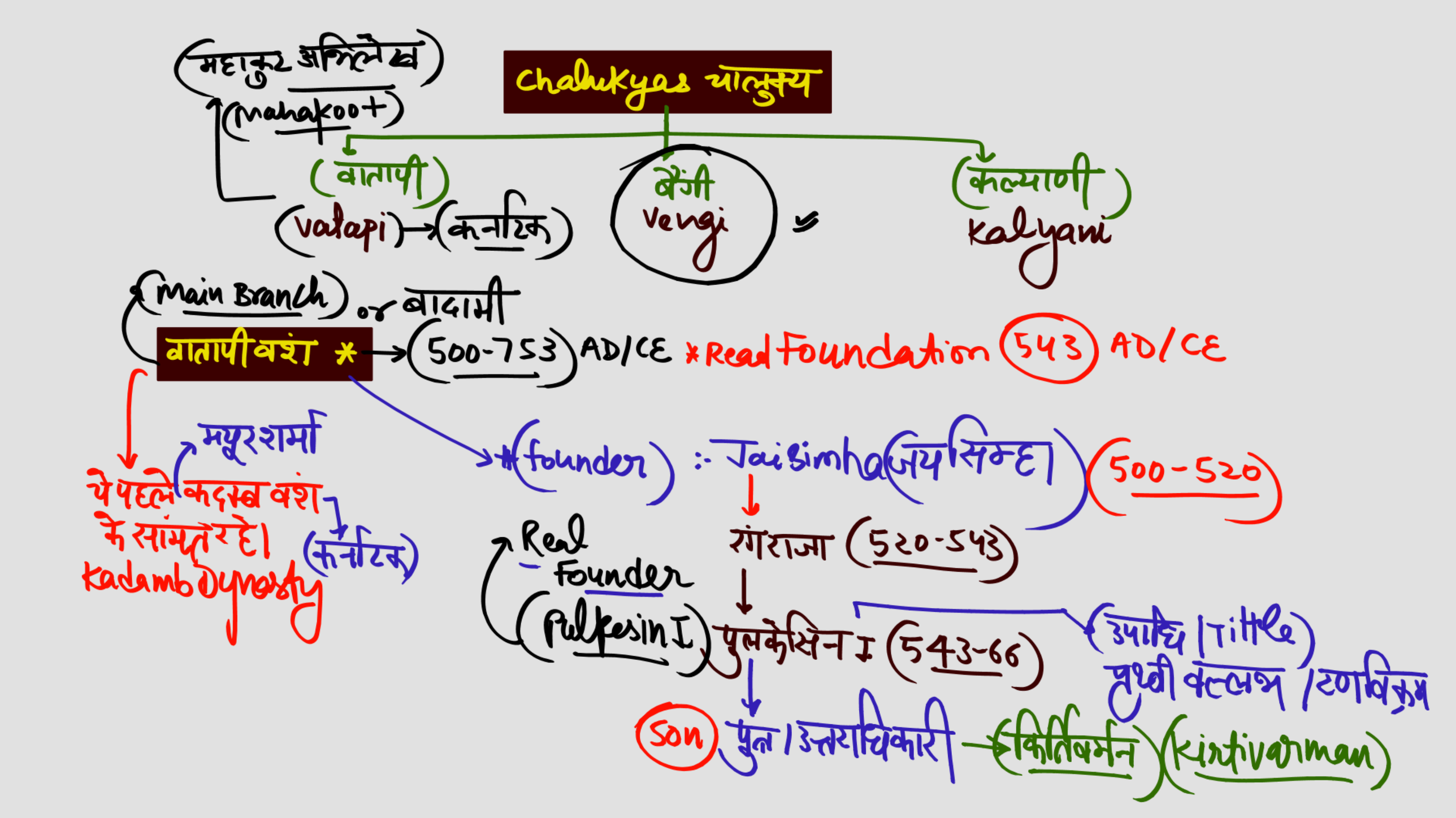

Chalukyas चालुक्य

- (वातापी) (Vatapi) → (कर्नाटक)
  - (महाकूट अभिलेख) (Mahakoot)
- वेंगी Vengi
- (कल्याणी) Kalyani

वातापी वंश * (Main Branch) or बादामी

→ (500-753) AD/CE

* Real Foundation (543) AD/CE

ये पहले कदम्ब वंश (Kadamb Dynasty) के सामन्त रहे। (कर्नाटक)
- मयूरशर्मा

(Founder) :- Jaisimha (जयसिम्हा) (500-520)

↓

रंगराजा (520-543)

↓

Real Founder (Pulkesin I) पुलकेसिन I (543-66)

- (उपाधि / Tittle) पृथ्वी वल्लभ / रणविक्रम

↓

(Son) पुत्र / उत्तराधिकारी → (कीर्तिवर्मन) (Kirtivarman)

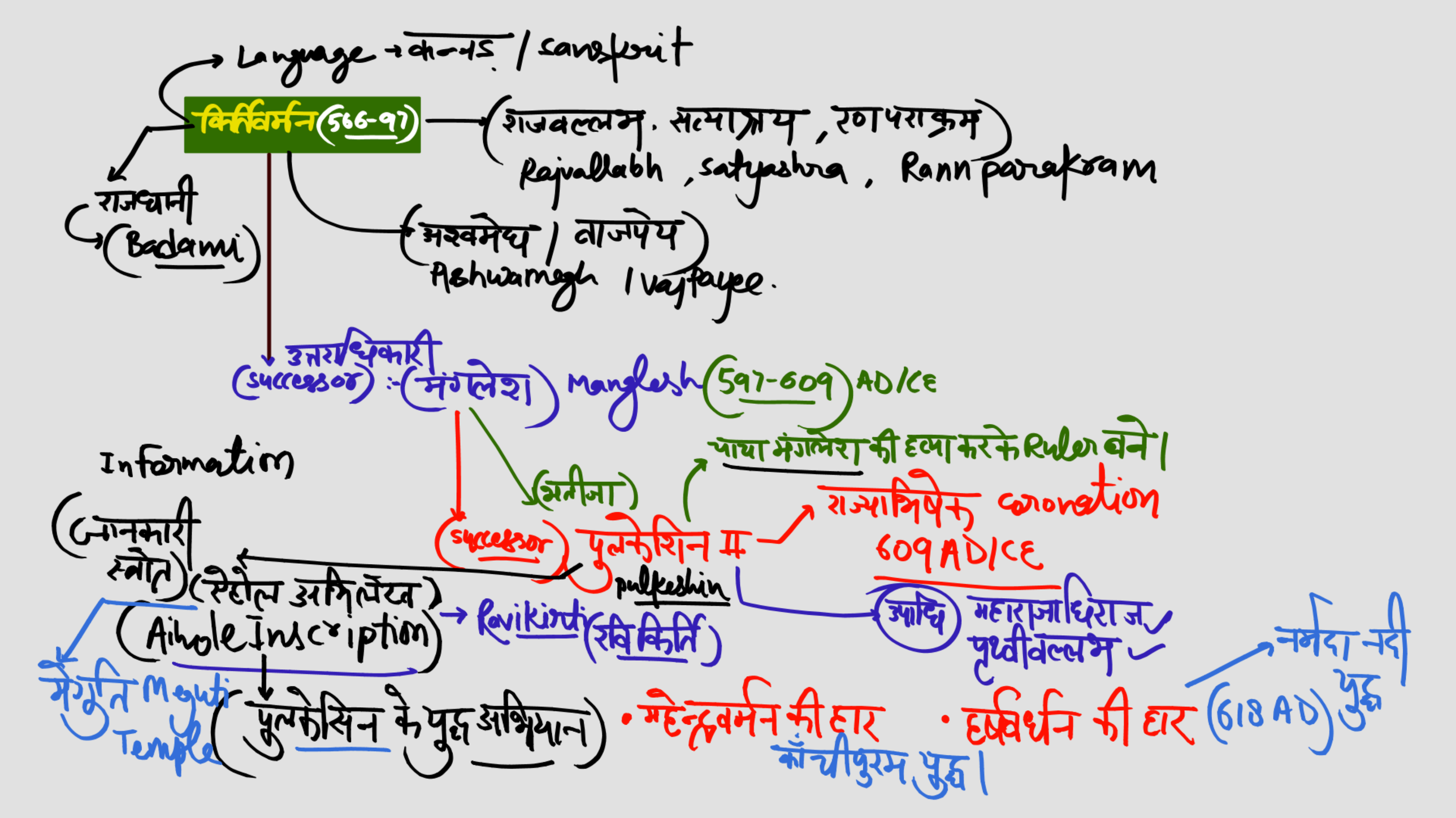

Language → कान्नड़ / sanskrit

कीर्तिवर्मन (566-97) → (राजवल्लभ, सत्याश्रय, रणपराक्रम)
Rajvallabh, satyashra, Rann parakram

राजधानी (Badami)

(अश्वमेध / वाजपेय)
Ashwamegh / vajpayee.

उत्तराधिकारी (successor) :- (मंगलेश) Manglesh (597-609) AD/CE

Information (जानकारी स्रोत) (ऐहोल अभिलेख) (Aihole Inscription) → Ravikirti (रविकिर्ति)

(भतीजा) (successor) पुलकेशिन II pulkeshin

चाचा मंगलेश की हत्या करके Ruler बने।

→ राज्याभिषेक coronation 609 AD/CE

उपाधि महाराजाधिराज, पृथ्वीवल्लभ

मेगुति Meguti Temple

(पुलकेसिन के युद्ध अभियान)

• महेन्द्रवर्मन की हार कॉंचीपुरम युद्ध।

• हर्षवर्धन की हार (618 AD) युद्ध → नर्मदा नदी

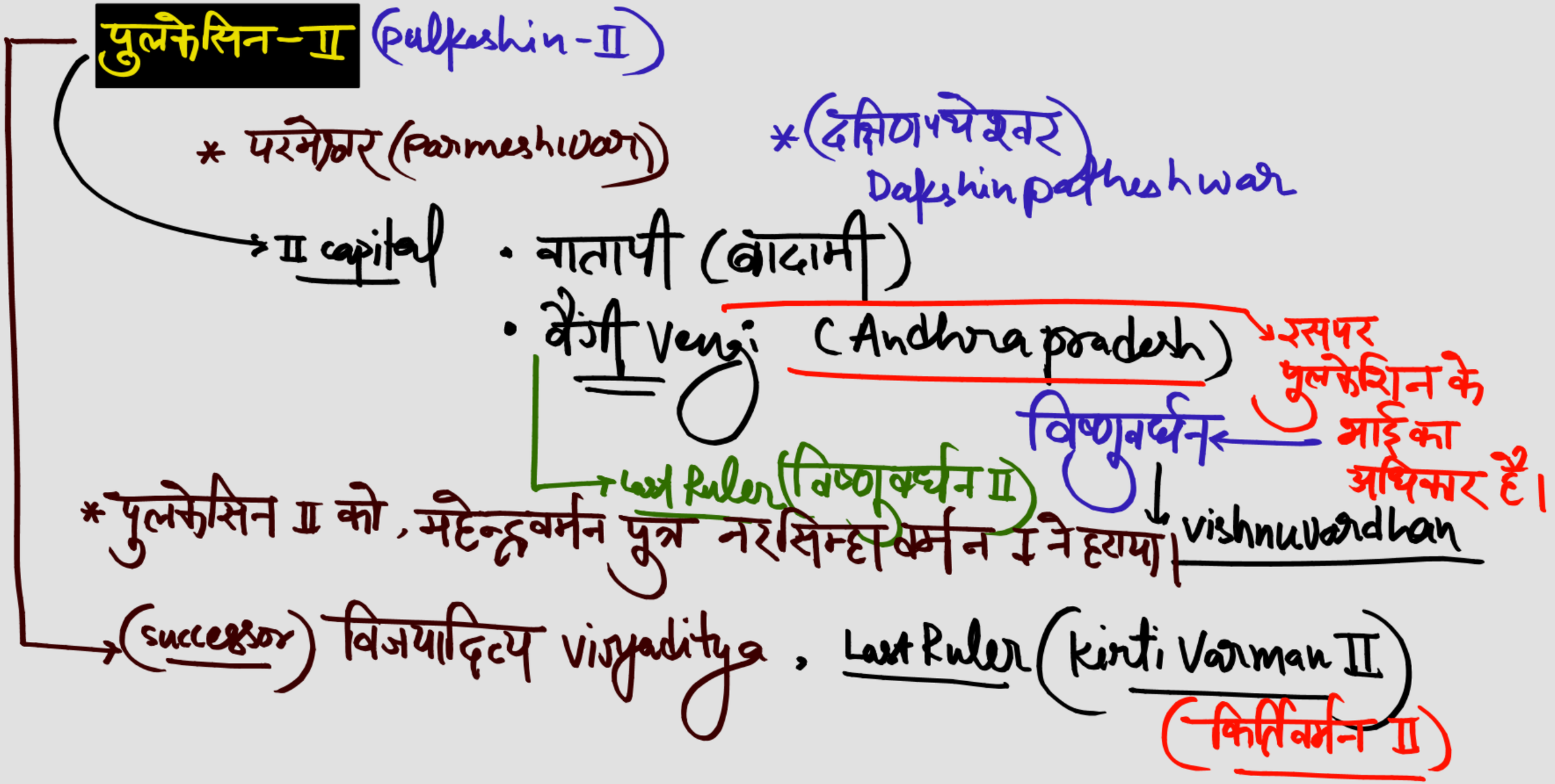

पुलकेसिन-II (Pulkeshin-II)

* परमेश्वर (Parmeshwar)

* (दक्षिणापथेश्वर) Dakshinpatheshwar

II capital
• वातापी (बादामी)
• वेंगी Vengi (Andhra pradesh) → इसपर पुलकेशिन के भाई का अधिकार है।

विष्णुवर्धन ← vishnuvardhan

Last Ruler (विष्णुवर्धन II)

* पुलकेसिन II को, महेन्द्रवर्मन पुत्र नरसिम्हा वर्मन I ने हराया।

(successor) विजयादित्य vijyaditya, Last Ruler (kirti Varman II (कीर्तिवर्मन II))

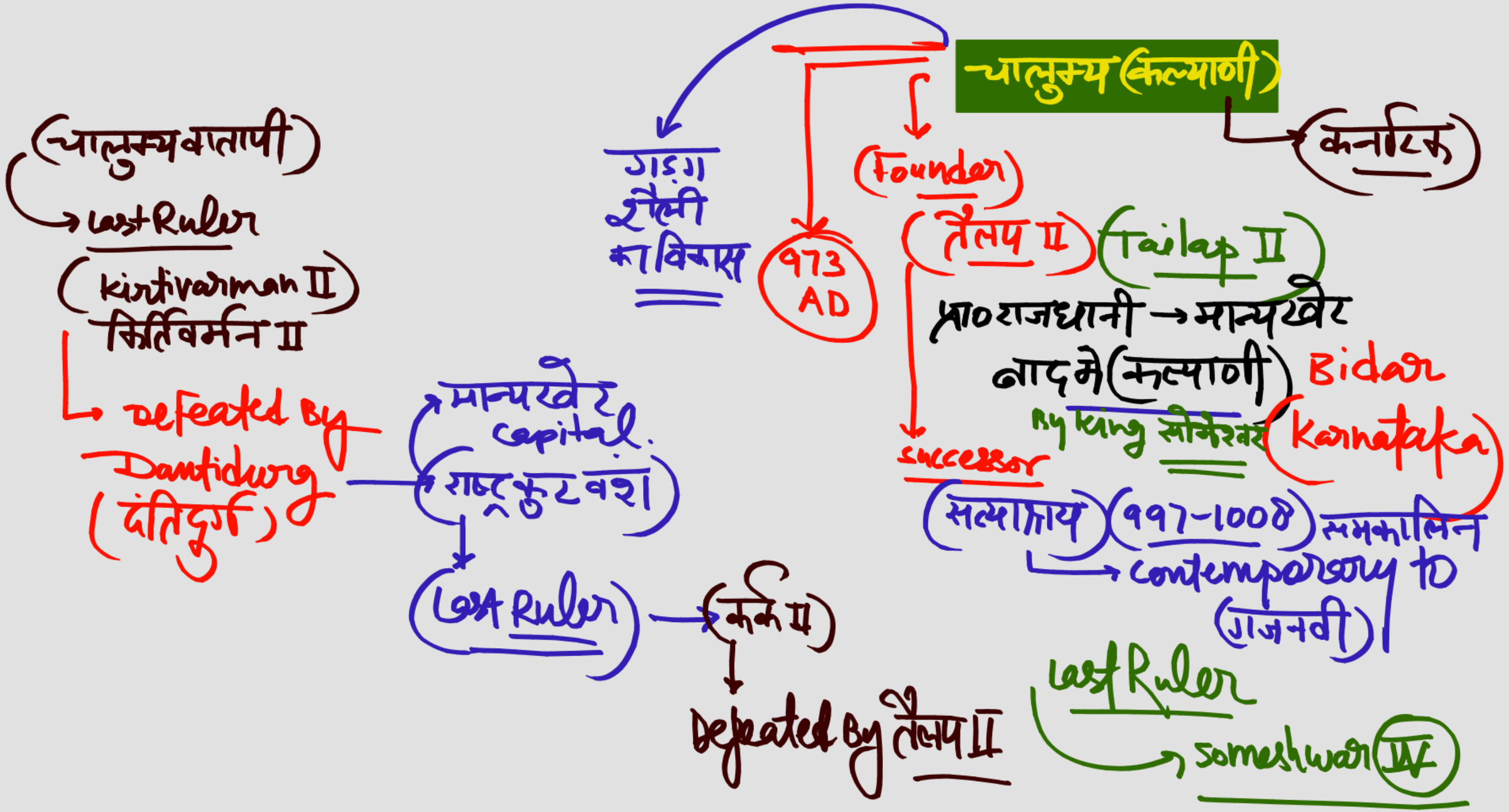

चालुक्य (कल्याणी) → कर्नाटक

गडग शैली का विकास

973 AD

Founder

(तैलप II) (Tailap II)

प्रा० राजधानी → मान्यखेर

बाद मे (कल्याणी) Bidar (Karnataka)

By king सोमेश्वर

successor

(सत्याश्रय) (997-1008) समकालिन

→ contemporary to (गजनवी)

Last Ruler → Someshwar (IV)

(चालुक्य वातापी)

→ Last Ruler

(Kirtivarman II)

किर्तिवर्मन II

→ Defeated By

Dantidurg

(दंतिदुर्ग)

→ (राष्ट्रकूट वंश) → मान्यखेर capital.

↓

(Last Ruler) → (कर्क II)

↓

Defeated By तैलप II

Jeet Rana GS

(Pallav Dynasty)

पल्लव राजवंश: सामान्य परिचय

Founder → (Simhavishnu सिम्हा विष्णु)

600 ई. के बाद दक्षिण भारत में पल्लवों का शासन कोरोमंडल और कांचीपुरम क्षेत्र में स्थापित हुआ।

पल्लव राजवंश अपने राजनीतिक विस्तार से ज्यादा अपनी "'कला और वास्तुकला' (Art and Architecture)" के लिए जाना जाता है।

राजधानी:

पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम (तमिलनाडु) थी।

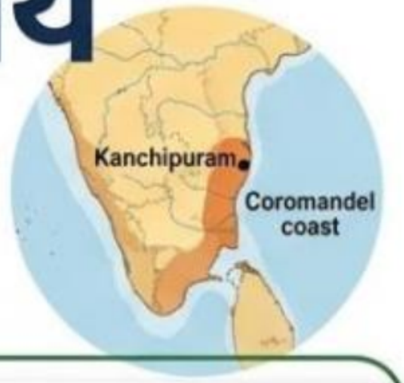

इनका प्रमुख बंदरगाह महाबलीपुरम (जिसे मामल्लपुरम भी कहा जाता है) था।

Jeet Rana GS

पल्लव राजवंश: संस्थापक और प्रमुख शासक

सिंहविष्णु (Simhavishnu)

सिंहविष्णु: ये पल्लव वंश के संस्थापक थे। इन्होंने 'अवनि सिंह' की उपाधि ली थी और ये वैष्णव धर्म के अनुयायी थे। इनके समय मामल्लपुरम में आदिवराह मंदिर स्थित था।

महाकवि भारवी सिंहविष्णु के दरबार से जुड़े थे, जिन्होंने प्रसिद्ध पुस्तक 'किरातार्जुनीयम्' की रचना की थी।

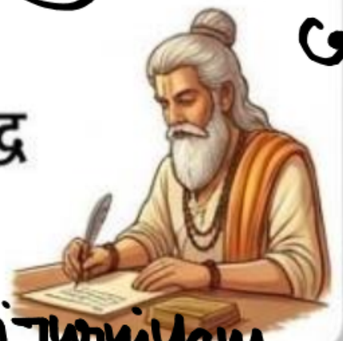

महेंद्रवर्मन प्रथम (Mahendravarman)

महेंद्रवर्मन प्रथम: ये पल्लव राजा थे जिन्होंने 'मत्तविलास प्रहसन' नामक व्यंग्यात्मक नाटक की रचना की। इस नाटक में बौद्ध और कापालिक संप्रदाय के धार्मिक आडंबरों पर प्रहार किया गया है।

Jeet Rana GS

पल्लव राजवंश: नरसिंहवर्मन प्रथम

(630-668)

दरबारी : दण्डिन Dandian

Book :- दशकुमार चरित्रम

✓ श्रीलंका पर सैन्य अभियान

✓ कांची कैलाशनाथ मंदिर।

- **नरसिंहवर्मन प्रथम** पल्लव वंश के सबसे शक्तिशाली शासकों में से एक थे।
- इन्होंने बादामी के चालुक्य राजा **पुलकेशिन द्वितीय** को युद्ध में हराया था।
- **पुलकेशिन द्वितीय** को हराने और बादामी (वातापी) को जीतने के कारण इन्होंने **'वातापीकोंड'** (Vatapikonda) की उपाधि धारण की थी।
- इनकी एक अन्य उपाधि **'महामल्ल'** भी थी, जिसके नाम पर **महाबलीपुरम** को **मामल्लपुरम** कहा गया।

  → यहीं (रथ) मंदिर निर्माण कराया।
- **हेनसांग** चीनी यात्री इनके समय में आया था।

Jeet Rana GS

पल्लव वास्तुकला: महाबलीपुरम के रथ मंदिर

Jeet Rana GS

पल्लव वास्तुकला: महाबलीपुरम के रथ मंदिर

इन्होंने महाबलीपुरम में एक ही चट्टान को तराश कर बनाए गए (Monolithic) **एकाश्म रथ** ' **एकाश्म रथ मंदिरों**' का निर्माण करवाया। सीब वाता।

- **नरसिंहवर्मन प्रथम** ने वास्तुकला की '**मामल्ल शैली**' की शुरुआत की।
- इन्होंने महाबलीपुरम में एक ही चट्टान को तराश कर बनाए गए (Monolithic) '**एकाश्म रथ मंदिरों**' का निर्माण करवाया।
- इन रथ मंदिरों को '**सप्त पैगोडा**' (Sapt Pagoda) भी कहा जाता है।
- इनमें कुल पाँच रथ प्रमुख हैं: **धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, नकुल-सहदेव रथ** और **द्रौपदी रथ**।
- **द्रौपदी रथ** आकार में सबसे छोटा रथ मंदिर है।
- 1984 में इन्हें **यूनेस्को** (UNESCO) **हेरिटेज साइट** में शामिल किया गया था।

Jeet Rana GS

* (Next Ruler)

(महेन्द्रवर्मन II) (668-70) AD

→ * विक्रमादित्य I (चालुक्यो) द्वारा महेन्द्रवर्मन हारे।

↓

परमेश्वरवर्मन (670-95) गंगवंश को हराया, चालुक्यो को हराया।

↓

(नरसिंह II वर्मन) (695-722) → शंकरभक्त, आगमप्रिय, राजसिंह

→ * मामलपुरम (शोर) मंदिर → (TN) → UNESCO site

↓

उत्तराधिकार : (Nandivarman) (731-95)

(Last Ruler) (अपराजितवर्मन)

Jeet Rana GS

चोल राजवंश (प्रारंभिक संगम काल) - भाग 1

Chola Dynasty (Early Sangam Age) - Part 1

- **संगम काल में चोल राजवंश मुख्य रूप से उत्तरी तमिलनाडु और कोरोमंडल तट के क्षेत्र में फैला हुआ था।**
  During the Sangam Age, the Chola dynasty was mainly spread across the regions of northern Tamil Nadu and the Coromandel Coast.

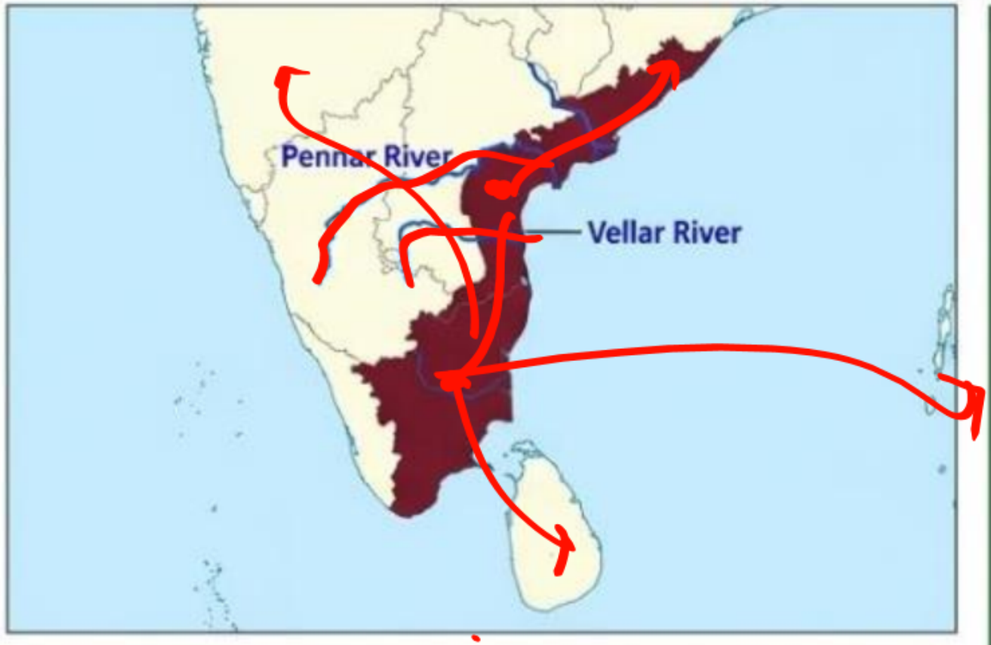

- **इन्होंने पेन्नार और वेल्लार नदियों के बीच शासन किया।**
  They ruled between the Pennar and Vellar rivers.

राजधानी
Capital

- **राजधानी:** इनकी प्रारंभिक राजधानी मंतूर और उरैयूर (Uraiyur) थी। उरैयूर सूती वस्त्रों का एक बहुत प्रसिद्ध केंद्र था। बाद में तंजावुर और पुहार को राजधानी बनाया गया। → Tanjore

  Capital: Their initial capital was Mantur and Uraiyur. Uraiyur was a very famous center for cotton textiles. Later, Thanjavur and Puhar were made capitals.

प्रतीक चिह्न
Emblem

- **प्रतीक चिह्न:** चोल राजाओं का राज्य चिह्न 'बाघ' (Tiger) था।
  Emblem: The state emblem of the Chola kings was the 'Tiger'.

चोल राजवंश

(Founder) विजयालय Vijyalya (848-71) उपाधि : नरकेसरी

* पल्लवों के सामंत (Feudals of Pallavas.)

(Successor) कराईकाल Karaikal